8

बुनियादी सिलाई

दर्जी वह व्यक्ति होता है जो कपडे (गार्मेन्ट) बनाने (सिलने) के लिए कपडे को काटता है और फिर उसे सिलता है। सिले हुए कपडों को आगे कढाई के साथ सजाया भी जा सकता है। क्या आप बिना सुई और धागे के कपडे सिलने की कल्पना कर सकते हैं या फिर कैंची से कटाई की? नहीं यह असम्भव है? क्या आपको यह पता है कि एक ड्रेस बनाने के लिए कितने चरणों से गुजरना पडता है। परिधान/ड्रेस निर्माण के बहुत से चरण जैसे काटना, सिलाई करना और आदि शामिल होते हैं। इसीलिए हमें कई प्रकार के औजार और उपकरणों की आवश्यकता पडती है। इस पाठ में आप सिलाई के काम आने वाले औजारों और कुछ सिलाई के काम आने वाले बुनियादी (मूलभूत) टांको के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के पश्चात्, आप–

- हाथ से सिलाई के लिए प्रयुक्त औजारों और कढाई को पहचान सकेंगे और सूची भी बना पाएंगे;
- कपडों की सिलाई और फटे हुए कपडे को (मरमम्त) सिलने के प्रयुक्त होने वाले कुछ बुनियादी टांकों को प्रयोग कर पाएंगे;
- कपडे के एक आइटम को मापने के लिए सामान्य टांकों पर काम कर सकेंगे और उनका इस्तेमार कर सकेंगे; और
- बुनियादी सिलाई के संभावित क्षेत्र की सराहना कर पाएंगे।

8.1 सिलाई का अर्थ

सिलाई किसी भी कपडे को डिजाइन करने, काटने, सही रूप (फिटिंग) देने की कला है। एक दर्जी आने औजारों पर निर्भर होता है। उसे कुछ ऐसे ही औजारों/उपकरणों की जरूरत होती है। वे इस प्रकार से है-एक नोकी कैंची, सिलाई मशीन, नापने का फीता (टेप), एक तेज सुई, मध्यमा उंगली के लिए टोपी (थिम्ब), धागे की कुछ रीलें और बाक्स और एक इस्तरी (आइरन) वह पैटर्न और डिजाइनों की मदद से कपडे के एक टुकडे से नया रूप तैयार करता है या फिर सिले सिलाए कपडे की फिटिंग ठीक करते हैं, ताकि ग्राहक को अच्छी तरह से सिला हुआ/फिट लग सके। सिलाई में निम्नलिखित प्रक्रियाएं/क्रियाकलाप शामिल होते हैं-

- ग्राहकों का माप लेना जो यह सुनिश्चित करता है कि कपडे पूर्णता फिट आएंगे।
- एक पैटर्न या फिर डिजाइन के अनुसार कपडे को मापना और काटना।
- सुई और धागों की सहायता से हाथ से कपडे सिलना या फिर मशीन से कपडे सिलना।
- फिडिंग्स और कटाई का प्रयोग करके कपड़े की पूरी सिलाई करते हैं और उन्हें सजाते भी हैं।

सिलाई के लिए बुनियादी ज्ञान या फिर सुई के साथ हाथ की सिलाई करके हम छोटी-छोटी मरम्मत/कटे फटे जैसे कपड़े का फटना, ढीले बटन या हुक को लगाने जैसे काम में आती है। आप खुद भी कपड़े को सजा सकते हैं और एक बिल्कुल साधारण सी दिखने वाली ड्रेस को काफी महंगी बना सकते हो और कढ़ाई द्वारा सुन्दर भी बना सकते हो।

8.2 सिलाई में काम आने वाले औजार

प्रत्येक क्राफ्ट के लिए कुछ विशिष्ट औजारों और उपकरणों की आवश्यकता होती है। आइए उनकी सूची तैयार करें और हाथ से सिलाई करने के काम आने वाले कुछ मूलभूत (बुनियादी) औजारों के बारे में अध्ययन करें-

- **कैंची** – आपको कपड़े और धागे काटने के लिए इसकी आवश्यकता पड़ती है।

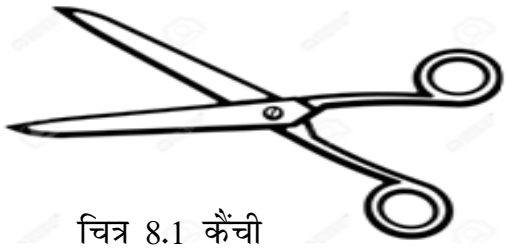

चित्र 8.1 कैंची

- **मापने का फीता (इंचीटेप)** – माप लेने के लिए आपको फीते की जरुरत होती है।

चित्र 8.2 मापने का फीता

- **सुईयां और थ्रेडर**– सुई का उपयोग सिलाई और कढ़ाई करने में किया जाता है। यह विशिष्ट आकारों (नंबर) में उपलब्ध होती हैं। सुईयों का चयन कपड़े की मोटाई के हिसाब से होता है। थ्रेडर सुई में धागे को आसानी से डालने में मदद करता है।

चित्र 8.3 सुईयां

- **थिम्बल** – थिम्बल को मध्य उंगली की टिप (सिरे) पर पहना जाता है ताकि कपड़े से सुई निकालते समय सुई आपके हाथ में ना चुभे, थिम्बल इसी से बचाता है।

चित्र 8.4 थिम्बल

- **धागा** – आप बिना धागे के सिलने (सिलाई करने) की कल्पना भी नहीं कर सकते हो। सबसे अधिक सूती या पोलिस्टर धागों का प्रयोग किया जाता है।

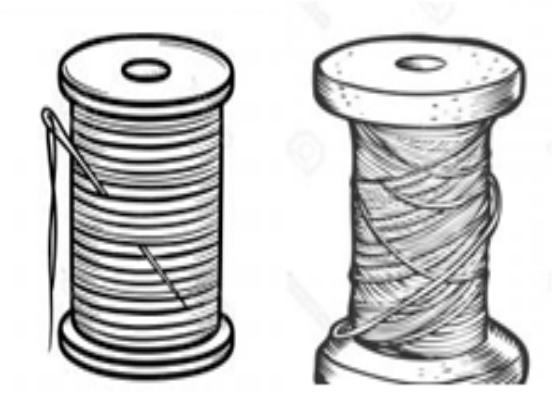

चित्र 8.5 धागे

- **फुटा (स्केल)**– इसका प्रयोग सीधी माप लेने के लिए किया जाता है।

चित्र 8.6 फुटा/स्केल

- **इस्तरी/प्रेस और वाटर स्प्रेयर (पानी छिडकने वाला उपकरण)** – आयरन करने से कपड़े को ज्यादा साफ सुथरे ढंग और आसानी से सिला जा सकता है। स्प्रेयर का प्रयोग कपड़े को नम करने के लिए किया जाता है और जिससे आयरन करके, कपड़े को एक स्वच्छ (साफ) फिनिश दी जा सके।

चित्र 8.8 सीम रिपर

- **सीम रिपर (उधेडने वाला यंत्र)** – इसे काटने या सिलाई खोलने और बटन के छेद इत्यादि खोलने के काम में प्रयोग किया जाता है।

चित्र 8.8 सीम रिपर

- **ट्रेसिंग व्हील (अनुरेखण पहिया/चक्र)** – इसका प्रयोग कपड़े पर पैटर्न मार्क करने के लिए किया जाता है। खासकर चिकने (चमकीले) कपड़े पर अच्छी छाप छोडता है।

चित्र 8.9 अनुरेखण पहिया/चक्र

पाठगत प्रश्न 1.1

नीचे दी गई तालिका का अध्ययन कीजिए और आवश्यकतानुसार कालमों को पूर्ण कीजिए।

औजार	उपयोग/उद्देश्य	चित्र
कैंची		
मापने का फीता		
रिपर		
थ्रेडर (धागा भरने वाला)		
ट्रेसिंग व्हील (अनुरेखण पहिया)		
स्प्रेयर		

8.3 हाथ से सिलाई के मूलभूत कौशल

1. सुई पकड़ने का सही तरीका–

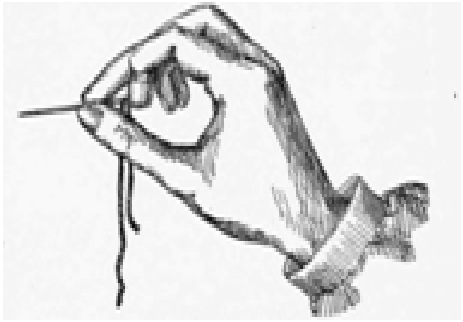

चित्र 8.10 सुई पकड़ना

हाथ से सिलाई करने वाली सुईयां सभी आकार और प्रकार की उपलब्ध होती हैं। आकार जितना बडा होता है उतना ही छोटा होता है। महीन सुई का प्रयोग पतले या नाजुक कपड़े के लिए किया जाता है, जबकि बड़ी/मोटी सुईयों का प्रयोग मोटे कपड़े की सिलाई के लिए किया जाता है।

2. सुई में धागा डालना–

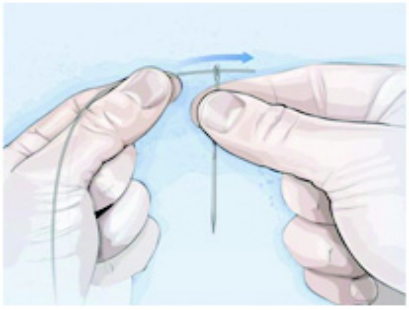

चित्र 8.11 सुई में धागा डालना (क)

ऐसे ट्रिप्स और ट्रिक्स (कुछ विशेष सुझाव और युक्ति) होते हैं जिसकी सहायता से सुई में धागा डालना (पिरोना) बिल्कुल भी मुश्किल नहीं होता है। उदाहरण के लिए सुई के पीछे एक सफेद पृष्ठभूमि पर रखें जिससे की सुई के छेद को आंख और धागे के बीच देखना आसान हो जाता है। पैनी धार वाली कैंची से धागे के सिरों का 45 डिग्री के कोण से काटिए। फैले हुए सिरों से बचने के लिए ऐसा किया जाता है। पानी, तार या फिर मोम द्वारा धागे के छेद को सख्त करने का सुनिश्चित कर लीजिए। फिर भी यदि आपको कुछ मुश्किल हो रही है तो सुई में धागा पिरोने वाले थ्रेडर का भी प्रयोग कर सकते हो।

नीडल थ्रेडर की सहायता से सुई में धागा डालना

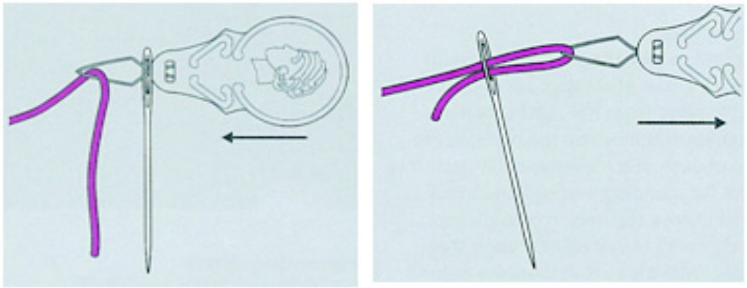

चित्र 8.12 सुई में धागा डालना (ख)

सुई (नीडल) थ्रेडर और सुई दोनों को एक साथ हाथ में पकड़ें जबकि तार के लूप को नीडल थ्रेडर के ऊपर सुई के छेद की तरफ रखें। आप धागे को वायर (तार) के लूप द्वारा नीडल थ्रेडर में डालिए। लूप द्वारा धागों को खींच लीजिए ताकि आप के पास कुछ लम्बाई में कुछ इंचों की पूंछ (धागा) निकल आएगी।

3. धागे के अंत में गांठ बांधने के दिशा निर्देश-

चित्र 8.13 गांठ बांधना

1. धागे के अंतिम सिरों को उंगली (पाइंटर फिंगर) पर अपने अंगूठे के साथ पकड कर रखें।
2. अपनी सूचक उंगली के चारों ओर धागे को कम से कम दो बार घुमाएं।
3. अंगूठे का इस्तेमाल करते हुए, धागों के लूप को अपनी सूचक उंगली के सिरे की तरफ नीचे गिराइए। यह लूप एक दूसरे के चारों ओर लिपट जाएंगे और इस तरह वे अंत से आपकी सूचक उंगली की तरफ चले जाएंगे।
4. ढीली गांठ को धागे के अंतिम सिरे तक घुमाइए तब धागे की गांठ को कसकर बांधने का प्रयत्न करें।

8.4 हाथ की सिलाई के बुनियादी आंके

1. कच्चा टांका (Running stitch)

चित्र 8.14 कच्चा टांका

कच्चे टांके हाथ की सिलाई के सबसे बुनियादी टांके हैं और उनके कई प्रकार हैं। इनको जोडने, मरम्मत करने (टूट-फूट ठीक करने) और चुन्नट बनाने के लिए प्रयोग किया जाता है। इसके प्रयोग के आधार पर आप धागे में गांठ लगा सकते हो या फिर एक दो उल्टी दिशा में टांके लगाकर उस जगह पर लाक कर सकते हो। अपने लंबे रूप में यह बेस्टिंग बन जाती है।

आप सुई को अपने कपड़े के नीचे (विपरीत दिशा) में लाइए, एक बार गांठ कपड़े पर लग जाती है, तब दाई और बाई तरफ आप सिलाई कर सकते हो। धागे को वापस लाएं और पुनः दोहराएं।

2. बेस्टिंग

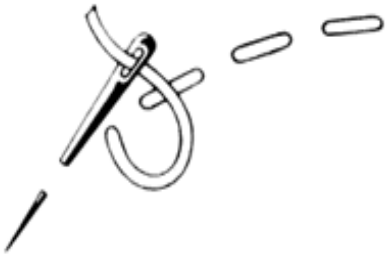

चित्र 8.15 सम बेस्टिंग

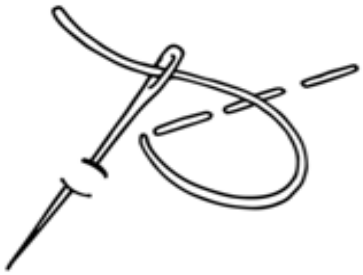

चित्र 8.16 विषम बेस्टिंग

कच्चे टांके की तकनीक की तरह समान तकनीक का प्रयोग किया जाता है। लेकिन इसमें लंबे टांके लगाये जाते हैं। (लगभग 1/4 इंच और 1/2 इंच के)

3. बैक स्टिच (वखिया)

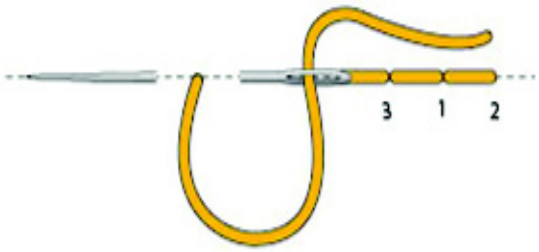

चित्र 8.17 बखिया (बैक स्टिच)

सिलाई मशीन आने से पहले, सभी कपड़ों को सिलने के लिए बखिया का प्रयोग किया जाता था। बाएं से दाएं टांक लगाने के लिए एक छोटा टांका लेते हैं, फिर सुई को पहले टांके के अंतिम सिरे (बिन्दु) पर सुई से बाहर लेकर आते हैं। उस जगह पर सुई को थोड़ा घुमाते हैं यहां पर धागा उभरता है। पिछली सिलाई के अंत में सुई को हमेशा लगातार निकलते जाते हैं।

4. हैंगिंग (तुरा)

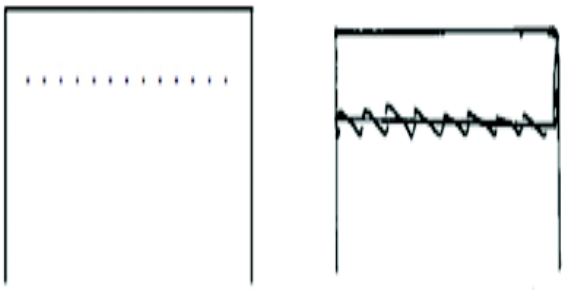

चित्र 8.18 हैंगिंग (तुरा)

सुई को बाएं-दाएं घुमाते हुए धागा बांधे। कपड़े का एक छोटा सा टुकडा लेकर उसके हेम (भ्मउ) के ऊपर लेकर मोडें। अपने टांके/सिलाई को बहुत बारीक छोटी करने की कोशिश करिए। ठीक उसी तरह जैसे सीधी तरफ से दिखाई देती है। धागे को लीजिए। सुई को थोड़ा दाएं-बाएं (1/4 इंच से 1/2 इंच तक) घुमाइए। हेम के एक छोटे से भाग को लेकर सुई के साथ कपड़ों को कभी-कभी बाएं दाएं ले जाएं। इस तरह से हेम पूरा करने के लिए जारी रख सकते हैं।

5. कैच स्टिच (क्रास स्टिच)

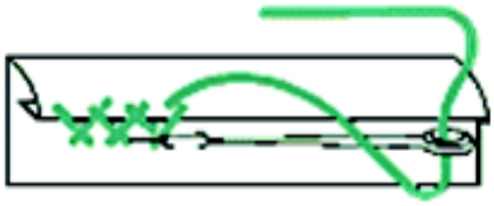

चित्र 8.19 कैच स्टिच (क्रास स्टिच)

आप इस सिलाई को उस कपड़े पर जिस पर हेम का प्रयोग किया गया हो, को पूरा करने के लिए भी कर सकते है। ताकि वह उधडे नहीं। बाएं से दाएं तरफ काम करते हुए हेम पर छोटे-छोटे टांके लेते हैं और तब कपड़े भी टांके ढीले और एक समान रखें। उल्टी तरफ पर ये क्रास दिखाई देंगे और सीधी तरफ पर छोटे टांके दिखाई देंगे।

6. स्लिप स्टिच

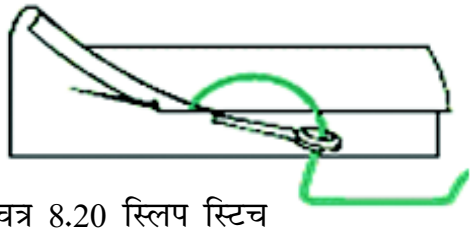

चित्र 8.20 स्लिप स्टिच

ये बहुत छोटे और लगभग अदृश्य टांके होते हैं। जब इन्हें सीधे किया जाता है और तब दोनों तरफ से सावधानी रखनी पड़ती है। हेम की तरह सुई को लाकर ओर उसी एक बिन्दु पर कपड़े का धागा उठाएं लगभग 1/2 इंच के और काफी ढीले टांके बनाइए।

7. ब्लैंकेट स्टिच (कांच का टांका बनाना)

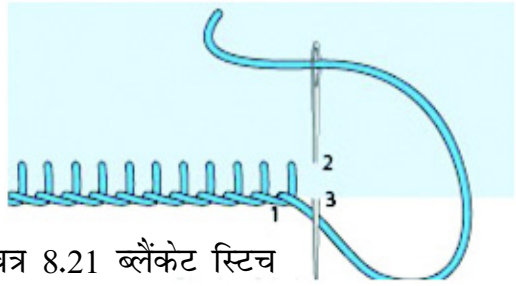

चित्र 8.21 ब्लैंकेट स्टिच

कपड़े के उल्टी तरफ पर धागे को पकडते/बांधते हैं। तब फिर सीधी तरफ पर ऊपर की ओर, पीछे से सामने की ओर कपड़े के बीच से लगभग 1/8 इंच सिरे (किनारे) से धागे के साथ सुई को कपड़े से बाहर निकालते हैं। सुई के छेद की तरफ पीछे की और वर्किंग हेड लपेटते हैं। सुई के छेद की और पिछले बिन्दु पर लपेटते हैं। उसमें से सुई को खींच लेते हैं और कपड़े के सिरे पर गांठ लगा देते हैं। यह प्रक्रिया लगातार करते जाते हैं। जब तक सिलाई वाला स्थान पूर्ण रूप से भर न जाए और अंत में गांठ लगा देते हैं।

आइलेट फार्म (ऊपर देखिए) एक वृत्त के रूप में काम करता है जिसमें अंदर की ओर लपेटे हुए सिरे होते हैं। इस ब्लैंकेट स्टिच सिलाई में दो टांकों के बीच लगभग 1/4 इंच स्थान/दूरी रखी जाती है।

पाठगत प्रश्न 8.2

रिक्त स्थानों को पूर्ण कीजिए–

1. बडे आकार की संख्या, ... सुई।
2. ..... का उपयोग जोडने, मरम्मत करने और चुन्नट डालने में करते हैं।
3. सिलाई मशीन के प्रयोग से पहले, सभी कपड़ों की सिलाई ..... द्वारा की जाती थी।
4. ..... बहुत छोटे और लगभग अदृश्य टांके होते हैं, जब इन्हें सीधा किया जाता है और दोनों तरफ सावधानी रखते हैं।
8. आइलेट (फार्म) एक वृत्त/गोले के रूप में ..... के माप सिरे पर लपेटा जाता है।

8.5 सजावटी टांके

1. स्टेम स्टिच

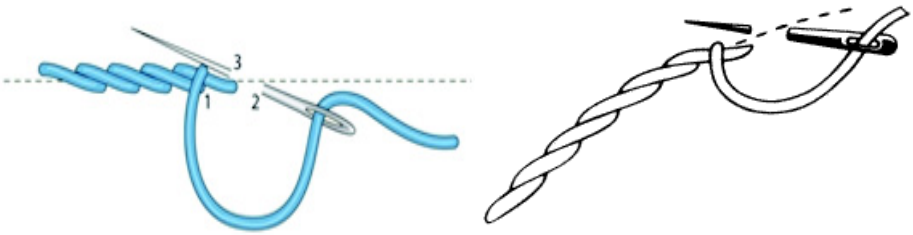

चित्र 8.22 स्टेम स्टिच

इस सिलाई को यह नाम इसीलिए मिला है क्योंकि इसका प्रयोग फूलों के तने बनाने के काम आती है और यह घुमावदार लाइनों के काम के लिए भी काफी अच्छी है।

इस सिलाई की शुरुआत एक सीधे टांके से करते हैं। तब सुई और धागे को कपड़े के नीचे से इस प्रकार निकालते हैं जिससे वह अपने शुरुआती टांके के बीच टांके के किनारे पर जाए।

2. साटन स्टिच

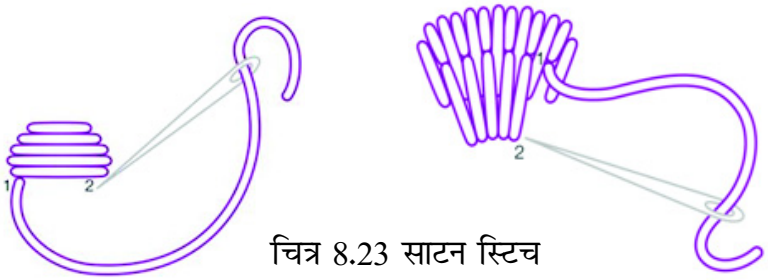

चित्र 8.23 साटन स्टिच

संभावना है कि जब आप पंक्तियों को भर रहे हों या फिर आप चाहते हैं कि डिजाइन एकदम चिकना/समान दिखाई पडे। यह टांके एक अच्छा सा उभार (उठी हुई बनावट) प्रदान करते हैं और एक बहुत बड़े क्षेत्र (जगह) को जल्दी भरने का काम भी करते हैं।

सर्वप्रथम आप एक डिजाइन को ड्रा कर/बना लीजिए जिसे आप एक उदाहरण (पथ-प्रदर्शक) के लिए प्रयोग में लाने के लिए बनाना चाहते हैं या भरना चाहती हैं। आप सुई और धागे के साथ एक टांका बना लें जिसे एक सिरे से आकार देकर दूसरे सिरे पर उसे बंद कर दें।

वापस सुई को ऊपर लाइए ठीक उसी टांके के विपरीत ओर जिसे आपने बनाया था। एक दूसरे टांके को काफी पास-पास लगाना/रखना चाहिए जैसा कि आपको अपने इस पैटर्न या फिर डिजाइन को भरने की आवश्यकता है।

3. फ्रैंच नॉट (फ्रैंच गांठ)

सबसे पहले सुई और धागे को कपड़े के द्वारा/पर से ऊपर लेकर आएं। तब धागे को सुई के चारों और लपेटें। धागे के सिरे को पकड़ें और सुई को नीचे लेकर आएं ठीक उसी जगह पर जहां पर वह कपड़े के द्वारा लाई गई थी। जब तब आप सुई को खींचते हैं तब तक धागे को दबाए रखें। आप सुई के चारों ओर धागे को लपेट कर अलग-अलग आकार के भी तैयार कर सकते हैं, इसके लिए आप सुई के चारों ओर कहीं पर भी एक और तीन बार तक धागा लपेट सकते हैं।

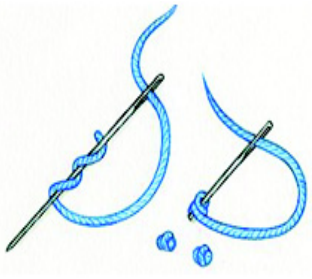

चित्र 8.24 फ्रैंच नॉट

4. चेन स्टिच (Chain Stich)

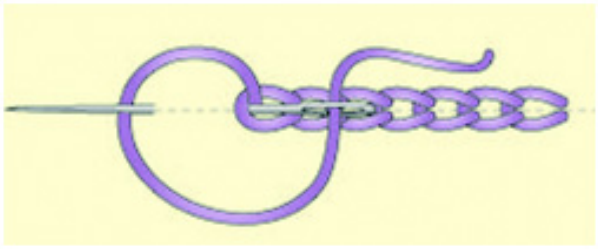

चित्र 8.25 चेन स्टिच

सर्वप्रथम कपड़े में से सुई और धागे को ऊपर खीचिंए। इसके बाद अब आप जहां पहली बार सुई लेकर आये थे, ठीक उसी तरफ से सुई को सीधे नीचे की तरफ डालें। आप धागे को बिल्कुल भी कपड़े में से नहीं खींचे बल्कि एक लूप बनने दें। उसी लूप के माध्यम से सूई को ऊपर लाएं। (यह प्रकट करता है कि इसे सभी प्रकार के कपड़े के द्वारा ही खींचा जा रहा है।) और खींचिए।

अगली चेन स्टिच बनाने के लिए सुई को या तो सीधे ही छेद के अंदर डाल दें जिसे आपने सिला/बनाया है या फिर ठीक उसके करीब सुई को डालिए और फिर उसे खींचकर एक ओर लूप बना लें। पुनः धागे को पूरी तरह से कपड़े से खींचे इसे सुई को लूप से निकालने के लिए पकडें और फिर खींचे।

चेन को निरन्तर बनाने के लिए इस प्रक्रिया को बार-बार दोहराएं। जब आप इसके अंतिक सिरे तक पहुंच जाएं तो इसे सुरक्षित करने के लिए लूप के ऊपर एक छोटी सी सिलाई कर दें।

5. लेजी डेजी (स्रंल कंप्रल)

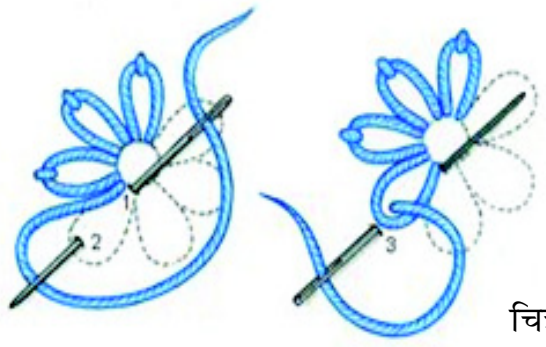

चित्र 8.26 लेजी डेजी

चेन का यह परिवर्तित रूप है जिसे अक्सर तटस्थ (अलग) चेन स्टिच या फिर लेजी डेजी कहा जाता है। चेन स्टिच की भांति सुई और धागा लीजिए और एक चेन (श्रृंखला) बनाइए लेकिन कपड़े में से धागा खींचने से पहले, एक लूप जरुर बना लेना चाहिए/बनाना पडेगा। अब लूप के माध्यम से सुई को ऊपर ले आएं ताकि उसे बांधा जा सके, फिर कपड़े से उसे सभी तरह से खींच सकते हैं।

लूप के ऊपरी सिरे पर एक छोटा सा टांका लगाइए। अगले लूप के लिए जगह बनाइए या फिर एक डेजी बनाने के लूप या सिलाई कीजिए/(के लिए टांका बनाइए) इसे आप अपनी इच्छानुसार जारी रख सकते हैं।

6. फेदर स्टिच

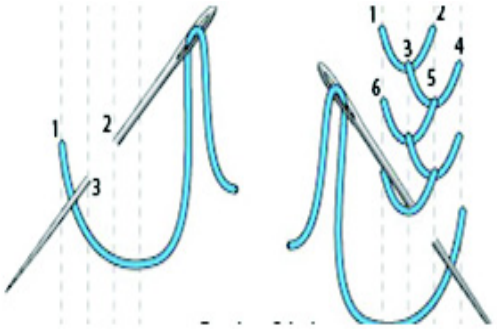

चित्र 8.27 फेदर स्टिच

चेन स्टिच बनाने का एक अन्य तरीका है फेदर स्टिच का, जिसे पिछले लूप को तेज करने के लिए दूसरी बार प्रयोग करना पडता है। यह एक विशेष चेन है, यह अच्छी प्रकार से काम करता है, जब आप ज्यादा स्थान को ढकना/भरना चाहते हैं।

कपड़े में से सुई और धागे को निकालकर काम शुरु करते हैं और एक सीधा टांका बनाते हैं। धागे को पूरी लम्बाई पर नहीं खींचते है, एक लूप का आकार बनाते हैं और उसी लूप के माध्यम से सुई को ऊपर लाते हैं।

अगले टांके को पिछले टांके के विपरीत दिशा में रखते हुए अगले टांके के लिए जगह बनाइए। दूसरा लूप तैयार कीजिए लेकिन धागे को कपड़े में से पूरी तरह से बाहर निकलने न दें। लूप में से सुई को खींचे और विपरीत दिशा से भी इसे दोहराएं।

7. क्रास स्टिच (क्रास टांका ग्-टांका)

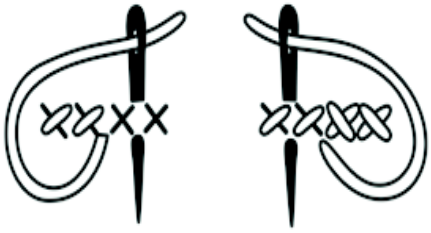

चित्र 8.28 क्रास स्टिच

- सुई को नीचे बाएं छेद में से ऊपर लाएं, फिर से इसे दाएं तरफ शीर्ष से एक विकर्ण टांके जैसे मोड़ें।
- सुई को वापस सीधे उसकी वर्तमान स्थिति से नीचे लाएं और अगले छेद में उसे डालें। उसे वापस विकर्ण (कपंहवदंस) छेद से कपड़े के माध्यम से दाएं ओर निकालें। पंक्ति से इसी तरह से टांके बनाना जारी रखिए।
- इस तरह टांके बनाने की इस यात्रा को पूरा करने के लिए सुई को वापस दाईं ओर से ऊपर लाइए और इसे ऊपर से नीचे क्रास बनाते हुए बाएं छेद में डालकर निकालें।

8. हैंरिग बोन स्टिच

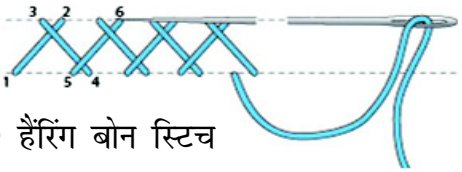

चित्र 8.29 हैंरिंग बोन स्टिच

जब भी इस टांके/स्टिच पर काम करते हैं तो पैंसिल से कपड़े पर समानान्तर लाइनें बना लीजिए। बाएं से दाएं काम करते हुए सुई को निचले बिन्दु (बिन्दु-1) से कपड़े के ऊपर लाते हैं और ऊपरी तरफ तिरछी सिलाई करते हैं। (बिन्दु-2) पुनः सुई को उसी ओर आरम्भिक छिद्र (प्रकृष्टि छिद्र) से बाईं ओर लेकर जाते हैं। (बिन्दु-3) और फिर दाएं तरफ (बिन्दु 4) पर निचली ओर तिरछे टांके लगाते हैं। इस (बिन्दु 5) पर पुनः वापस बाईं तरफ से आते हैं जो कि एक नया बिन्दु बन जाता है। (बिन्दु 1) इसीलिए आप इसे पंक्ति के अंतिक छोर (सिरे) तक दोहराने के लिए तैयार रहते हैं।

8.6 बुनियादी (मूलभूत) सिलाई कौशल

1. काज बनाना और बटन लगाने का काम–

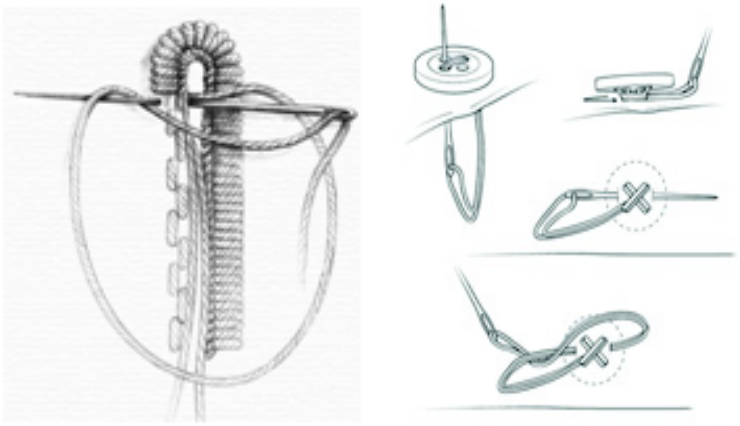

चित्र 8.30 काज बनाना

बटन लगाना

बटन लगाते समय दो बातें/कारक ध्यान रखने योग्य हैं–

- बटन लगाने का स्थान
- बटन लगाने की तकनीक

एक चपटे बटन के लिए कपड़े पर एक क्रास (X) के टांके के साथ आरंभ करते हैं जहां पर आप बटन रखना/लगाना चाहते हों। आप बटन के छेद में से कई बार ऊपर–नीचे सुई को निकालते हैं। अंतिम पास पर सुई और धागो दोनो को बटन के नीचे लाते हैं। धागे को कस कर बटन के आधार पर कुछ बार/दो–चार बार कसकर लपेटते हैं। एक दो बार इस बंडल में से सुई को निकालते है। तब कपड़े के किनारे पर सुई को पीछे की ओर लाते हैं। लूप बनाने के लिए टांके द्वारा सिलाई करते है और एक गांठ बना देते हैं।

काज काफी लंबा होना चाहिए ताकि बटन उसमें से आसारी से छेद में बिना किसी परेशानी या फिर अत्याधिक जोर लगाकर बटन को काज में से निकाला जाए। सामान्यता बटन होल (काज) की लम्बाई बटन के व्यास की मोटाई के बराबर होनी चाहिए। (यदि बटन गोल आकार का हो)

- आप काज किस जगह बनाते हो उसका निर्णय स्वयं लें। एक पिन की सहायता से उसे चिहिन्त करें।
- अपने बटन के आकार को माप लें।
- अपने कपड़े को एक छोटा सा कट लगाएं।
- काज के चारों ओर की खुले मुंह की सिलाई करें।
- दोहरे धागे का प्रयोग करे एवं मजबूत सिलाई लगाने के लिए एक सिलाई (टांके) को दूसरी सिलाई (टांके) से सटाकर रखें।

2. हुक और आई बनाना–

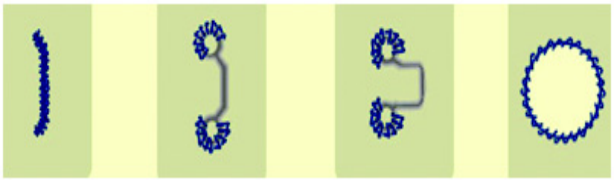

चित्र 8.31 हुक और आई

हुक लगाने के लिए चरणबद्ध दिशा निर्देश

1. हाथ में सिलने वाली एक सुई में धागा पिरोये और धागे में गांठ बांध ले। दोहरे धागे का प्रयोग करिए जब तक कपड़ा पतला न हो।
2. हुक के अंत तक छेद की सिलाई करें। आमतौर पर कपड़े के धागे के अंदर और बाहर लूप बनाते हुए सिलाई करिए या फिर काज (बटन होल)/ब्लैंकेट स्टिच का प्रयोग करते हुए सिलाई करें। यह सलाह दी जाती है कि कम से कम छः बार धागे को हुक और आई के प्रत्येक भाग में प्रयोग करें। इससे कम या ज्यादा बार धागे का प्रयोग कपड़े की मोटाई/मजबूत पर निर्भर करता है।
3. कपड़े पर हुक की गर्दन को अच्छी तरह से सिल दे ताकि हुक कपड़े पर सही ढंग से लटका रहे।
4. सिलाई समाप्त करने के दौरान एक दो टांके जोडने के लिए लगाएं।
5. धागे में गांठ बांध दे और अंत में धागे को लपेट दें।

आई बनाने के लिए चरणबद्ध/क्रमबद्ध निर्देश

1. कपड़े या गार्मेंट और आई की स्थिति को समतल रखें ताकि कपड़ा, आई और हुक के साथ समतल रहें।
2. धातु के लूप को कपड़े में उसी तरीके से सिले जैसे आपने हुक को लगाया था।
3. लूप आई को कपड़े के नीचे लूप से सिलाई करे यदि लूप का आकार कपड़े के किनारे से अधिक न हो।

   आइलेट एक छोटे गोल छेद के समान छिद्रित होते हैं और चारो ओर अधिक से अधिक बार करते हैं।

थ्रेड बार बनाना

1. सिलाई की सुई में दोहरा (डबल) या फिर एकल (सिंगल) धागा डालते हैं जो कि कपड़े के भार/वजन पर निर्भर करता है।
2. आंख की स्थिति के अंतिक छोर पर धागे को पकडें।
3. सुई को आंख के वांछित अंतिक सिरे के विपरीत नीचे लाकर एक लूप बनाए।
4. धागे को पट्टी पर ला कर चार से छः तह तक दुहराएं।
5. एक बार अंतिम छोर पर सुई को कपड़े के शीर्ष पर लाएं।
6. थ्रेड लूप बनाते हुए थ्रेड बार को लपेटें ताकि धागा उसके द्वारा लाया गया है, वह ब्लैंकेट स्टिच के समान दिखाई देता है। थ्रेड-बार को ढकने और सुरक्षित करने के लिए इस प्रक्रिया को पुनः दोहराते हैं।
7. पूरी थ्रेड बार को कवर करने के बाद, थ्रेड लूप को धागे के छोरों को निकालने में आसानी होती है।

3. स्टैप बटन को लगाना

चित्र 8.32 स्टैप बटन (शो बटन)

टिप्पणी

एक स्टैप फास्टनर (जिसे प्रेस स्टड भी कहा जाता है) इंटर लॉकिंग की एक ऐसे डिस्क की जोडी है जो बटन की जगह पर आमतौर से इस्तेमाल की जाती है। एक वृत्ताकार लिप के नीचे एक डिस्क में एक के साथ दूसरे के शीर्ष को फिट कर देते हैं। जबकि इसे दबाने के लिए इसको तेजी से पकड़ते हुए एक निश्चित बल का प्रयोग करना पड़ता है। साधारण लूपों या फिर ब्लैंकेट स्टिच का प्रयोग करके स्टैप के किनारे पर छेद के माध्यम से सिलाई करते हैं।

8.7 सुरक्षा के सावधानियां और सुझाव

जब भी आप सुई, पिनों और बुनने वाली सुईयों (सलाइयों) के साथ काम कर रहे हो तो–

- सुई और पिनों को एक निश्चित/निर्धारित स्थान पर रखें (एक विशेष बाक्स सा कुशन आदि पर), उन्हें ऐसे ही कार्य स्थल पर न छोडें, कभी भी सुई, पिन को मुंह के अंदर न डाले और न ही कभी अपने कपड़े में लगाएं।
- सुई पर अपनी आंखें हमेशा लगाए रहें।
- जब आप प्रेस/आयरन कर रहे हों तो सावधान रहें।
- यह सुनिश्चित कर लें कि आपके नाखून कटे हुए और हाथ धुले हुए हैं।
- उपर्युक्त कटिंग/काटने के औजारों का प्रयोग करें।
- कैंची को ध्यानपूर्वक इस्तेमाल करें।

8.8 रोजगार के अवसर

इस कोर्स को पूरा करने के बाद हर किसी को गार्मेन्ट बनाने वाली यूनिट में काम मिल सकता है या फिर अपनी टेलर/दर्जी की दुकान खोलकर स्व–रोजगार पा सकते हो या फिर घर से ही काम कर सकते हो।

वेतन रोजगार – कटर/टेलर/चेकर/डिजाइनर के रूप में आप रोजगार पा सकते हैं। किस भी गार्मेन्ट बनाने वाली औद्योगिक इकाई में/टेलर की दुकान में सरकारी सिलाई इकाइयों में/सार्वजनिक क्षेत्रों जैसे जेलों में/अस्पतालों इत्यादि में रोजगार पा सकते हो या फिर किसी शिक्षण संस्थान में भी प्रशिक्षक के रूप में कार्यरत हो सकते हो।

स्वरोजगार – आप अपनी खुद की दर्जी की दुकान खोल सकते/सकती हो या फिर फैक्ट्रियों से भी काम का आर्डर ले सकते/सकती हो।

पाठगत प्रश्न 8.3

दिए गए कथनों के लिए सही/गलत लिखिए:

1. हैरिंगबोन टांके (सिलाई) पर काम करने के लिए पेंसिल से समान्तर लाइन को मार्क किया जाता है।
2. कभी भी अपने मुंह में सुई या पिन ना रखें और न ही उनको कपड़ों में चिपका/लगा दें।
3. आइलेट किनारों पर समाप्त होने वाले बडे छेद होते हैं।
4. काज को हमेशा बटन से बहुत बडा होना चाहिए।
5. थ्रेड बार बनाने के लिए एक या दो तंतु (स्ट्रेण्डस) को दोहराएं।

आपने क्या सीखा

- टेलरिंग/सिलाई का अर्थ
- सिलाई के उपकरण/औजार
- बुनियादी हाथ की सिलाई के कौशल
  - 0 सही तरीके से सुई को पकडना
  - 0 सुई में धागा डालना
  - 0 नीडल थ्रेडर की सहायता से सुई में धागा डालना
- बुनियादी हाथ के टांके
  - 0 कच्चा टांका (Runnng Stitch)
  - 0 बास्टिंग–सम और विषम (समान और असमान)

- 0 बैक स्टिच (बखिया)
- 0 तुरपन
- 0 ब्लैंकेट स्टिच (टांके)
- 0 स्लिप स्टिच (टांके)
- 0 कैच स्टिच (टांके)

- सजावटी टांके
  - 0 स्टेम स्टिच
  - 0 साटिन स्टिच
  - 0 फ्रैंच नॉट (फ्रैंच गांठ)
  - 0 चेन स्टिच
  - 0 लेजी डेजी स्टिच
  - 0 फेदर स्टिच
  - 0 क्रास स्टिच
  - 0 हैंरिंगबोन स्टिच
- मूलभूत (बुनियादी) सिलाई कौशल
  - 0 बटन लगाना और काज बनाना
  - 0 हुक और आई बनाना
  - 0 स्टैप बटन लगाना
- सुरक्षा के लिए सावधानियां और सुझाव
- रोजगार के अवसर

पाठांत प्रश्न

1. सिलाई में प्रयुक्त होने वाली प्रक्रियाओं की सूची बनाइए।
2. निम्नलिखित टांकों के निर्माण में प्रयुक्त विधि का वर्णन कीजिए–

   (i) बैक स्टिच (ii) कैप स्टिच (iii) स्लिप स्टिच (iv) ब्लैंकेट स्टिच
3. उन पांच सजावटी टांकों की सूची बनाइए जिन्हें आपने बनाना सीखा है। प्रत्येक के सामने लिखिए जहां पर आप एक ड्रेस की कढाई करने के प्रयोग करने वाली हैं।
4. हुक और आई बनाने की विधि का वर्णन कीजिए।
5. जब आप सिलाई कर रहे हों तब आपके क्या–क्या सावधानियां रखनी होंगी।
6. इस कोर्स को करने के बाद आपको कौन–कौन से रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकते हैं?

उत्तरमाला

8.1

औजार/उपकरण	**प्रयोग/उद्देश्य**	**चित्र (स्केच)**
कैंची	धागे और कपड़े काटने के लिए	
मापने का फीता	माप लेने के लिए	
रिपर	काटने/सीने	
सुई	सिलने के लिए	
थ्रेडर	सुई में धागा डालने के लिए	
ट्रेसिंग व्हील	डिजाइन को छापने के लिए ट्रांसफर करने के लिए	
स्प्रेयर	प्रेस के लिए कपड़े को नम रखना	

टिप्पणी

8.2

1. छोटा
2. चलने वाला
3. बैक स्टिच
4. स्लिप स्टिच
5. अंदर की ओर

8.3

1. सही
2. सही
3. गलत
4. गलत
5. गलत